

“ग्राम” से किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता को मिलेगा एक मंच- भजनलाल शर्मा

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया

जयपुर, 10 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्प है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम- 2026) का आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि “ग्राम” के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रैल से ग्राम प्रचारक स्तर पर किसान कार्यक्रम से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इनमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम का संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा, जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर पर एकेडमिक-संस्थागत एवं

विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके

माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी सरकार की

■ **ग्राम 2026 का जयपुर में 23 से 25 मई को आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में शर्मा ने ग्राम 2026 के लोगो और ब्रोशर का अनावरण भी किया।**

प्राथमिकता है कि किसान पारम्परिक खेती से हटकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ें तथा खेती में नई-नई तकनीकों का उपयोग कर समृद्ध एवं खुशहाल बनें। ग्राम-2026 के माध्यम से किसानों को विश्वभर से आए कृषि विशेषज्ञों से नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, वे वैश्विक मंच से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सम्मान के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

इस दौरान शर्मा ने ग्राम के लोगो का अनावरण एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोरामाण कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दया, मुख्य सचिव श्री. श्रीनिवास सहित, विभिन्न अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

‘ट्रम्प ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की ओर धकेलते रहे हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडेन ने ऐसे प्रस्तावों को पहले ठुकरा दिया था। ट्रंप की सरकारी संचार सेवा अनाडोलू एजेंसी (एए) ने ब्रोस्टन पब्लिक रैडियो पर दिए एक इंटरव्यू के हवाले से बताया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रवैया बढ़े वैश्विक और आर्थिक नतीजों को जन्म दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नाजुक सीज़फायर पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने मौजूदा दो हफ़्ते के सीज़फायर पर सवाल उठाते हुए इसे बिंदू-ढाला-ढाला बताया। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, जो एक पूर्व सीनेटर भी हैं और साल 2015 में उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दक्षिणी राज्यों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। स्टालिन और अन्य मुख्यमंत्रियों ने इस असंतुलित परिसीमन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह बड़े राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश, को ज्यादा ताकत देता है और अल्प राज्यों को असहय छोड़ देता है।

साथ ही, छोटे राज्यों ने भी इसे स्वीकार करने से इनकार किया है, क्योंकि इससे उनकी भूमिका नगण्य हो जाएगी।

सितंबर 2023 में सरकार ने विपक्ष के समर्थन से एक बिल पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि महिलाओं के आरक्षण को केवल जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकता है।

पर कांग्रेस ने कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं है, बस महिलाओं के आरक्षण को लागू किया जाए और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से प्रभावी किया जाए। अब सरकार एक अलग और जटिलबाजी वाली रणनीति अपना रही है, जो महिलाओं के आरक्षण के बजाय, राजनीतिक और रणनीतिक लाभ पर केंद्रित है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष अब असमंजस की स्थिति में है, और वे संख्या प्रबंधन की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि संविधान संशोधन बिल विपक्ष के समर्थन के बिना नहीं लाया जा सकता।

कच्चे रास्ते पर सो रहे परिवार को ट्रैलर ने कुचला

माँ-बेटी और भांजी की मौत, तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

■ **जिंदगी के लिए जूझ रहे बच्चों की जयपुर रैफर कर दिया गया है।**

मैं थे, तभी सुबह करीब करीब एक तेज रफ़्तार ट्रैलर कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया और सो रहे परिवार के ऊपर चढ़ गया, जिससे होटकी और उसके साथ सो रहे बच्चे बुढ़ी तरह कुचल गए, जबकि अनिल बच गया। आसपास मौजूद लोगों और परिवारों ने तुरंत दौड़कर घायलों को संभाला। इस भयावह हादसे में होटकी की 13 वर्षीय बेटी पायल उर्फ मोडी की मौत पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को तुरंत गुडगाँव जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ प्रियंका को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को बुद्धुनू के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया, जहाँ इलाज के दौरान होटकी ने भी दम तोड़ दिया। घायलों में चार बच्चे अभी भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर

किया गया है, जबकि रविना का इलाज बुद्धुनू के राजकीय बीडीके अस्पताल में चल रहा है। हादसे के तुरंत बाद गुस्सा परिवारों और ग्रामीणों ने ट्रैलर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि चालक ने अपने परिवारों को फोन कर बुलाया, जिनकी गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पंडित परिवार का आरोप है कि चालक के परिजन घायलों को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद शुक्रवार सुबह जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए गुडगाँव जिला पहुंचे तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने थोड़ी की चोराहे पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर पहुंचे गुडगाँव जिला थानाधिकारी सीआई सुरेश रोलान ने समझा-झंझ कर लोगों को शांत किया और जाम खुलवाया। सीआई ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि ट्रैलर को जवाब का भरोसा दिया गया है और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है, साथ ही मामले में सख्त कार्रवाई कार्रवाई की जाएगी।

पाक रक्षा मंत्री ने इजरायल को “शैतान” और “मानवता के लिए अभिशाप” बताया

पर, इजरायल के प्र.मंत्री नेतन्याहू की घुड़की के बाद यह पोस्ट डिलीट की

■ **खाजा आसिफ ने इजरायल की तुलना कैसर से की और कहा, इजरायल सिर्फ लड़ाई चाहता है। उनका इशारा समझौता वार्ता के बीच में इजरायल द्वारा लेबनान पर हमला करने के संदर्भ में था।**

■ **नेतन्याहू ने इस पर कड़ा विरोध जताया और कहा, इजरायल को “कैसर” बताने का अर्थ है, वे इजरायल का खात्मा करना चाहते हैं और जो इजरायल का विनाश चाहते हैं, हम उनसे लड़ेंगे।**

ले रहा है।

इस बीच, नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उल्बेनान के साथ “जितनी जल्दी संभव हो, सीधे वार्ता” करने का आदेश दिया है। यह कदम तब आया है, जब यूएस, इजरायल और ईरान के बीच दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम पर खतरा मंडरा रहा है, विशेषकर इजरायल के लेबनान में सैन्य अभियान की तेजी के बाद।

उनके कार्यालय ने बयान में कहा, “लेबनान की बार-बार की मांग के मद्देनजर कि इजरायल के साथ सीधे वार्ता खोली जाए, मैंने कल कैबिनेट को निर्देश दिया कि जितनी जल्दी संभव हो, लेबनान के साथ सीधे वार्ता शुरू की जाए।”

बयान में आगे कहा गया, “वार्ता का मुख्य उद्देश्य हिजबुल्लाह को निरस्त करना और इजरायल और लेबनान के बीच शांति संबंध स्थापित करना होगा। इजरायल आज लेबनान के प्रधानमंत्री द्वारा बेरुत को निरस्त्रीकरण करने के आ आन की सराहना करता है।”

जैसा राज्य बनाया, वे नरक में जलें।” नेतन्याहू ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को नष्ट करने का आ आ “असहनी” है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, “यह कोई ऐसा बयान नहीं है, जिसे कोई सरकार सहन कर सके, खासकर उस सरकार की तरफ से, जो शांति के लिए दृढ़ संकल्प मध्यस्थ होने का दावा करती है।”

इजरायल के विदेश मंत्री गिदेओन सार ने भी पाकिस्तान के नेतृत्व को नकारते हुए कहा, “यह दर्शाते हैं कि इजरायल के रक्षा मंत्री का इजरायल को नष्ट करने का आ आ “असहनी” है।

इसके अलावा, “इजरायल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, रक्तपात बिना रुके जारी है।”

आसिफ ने उम्मेद कहा, “मैं आशा करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि जिन्होंने यूरोपीय यहूदियों को हटाने के लिए फिलिस्तीनी भूमि पर यह कैसर

जैसा राज्य बनाया, वे नरक में जलें।” नेतन्याहू ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को नष्ट करने का आ आ “असहनी” है।

इसके अलावा, “इजरायल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, रक्तपात बिना रुके जारी है।”

हुमायूँ कबीर के वीडियो के बाद औवैसी ने तोड़ा गठबंधन

औवैसी ने कहा, उनकी पार्टी ऐसी किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती, जिससे मुसलमानों की ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लग जाए

■ **श्रीरंज झा-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 10 अप्रैल। चुनाव से कुछ दिन पहले, तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की राजनीति में उस समय हलचल पैदा कर दी, जब उसने एक स्टिंग वीडियो जारी किया। वीडियो में आम जनता उग्रवर्ण पार्टी (एजेयूपी) नेता हुमायूँ कबीर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ अपने संपर्क के बारे में बात करते दिख रहे हैं। वीडियो की सत्यता की पुष्टि हुई है और कबीर ने इसे एआई जनित बताते हुए खारिज कर दिया है।

■ **तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो जिसमें हुमायूँ कबीर को भाजपा नेताओं के साथ तृणमूल के खिलाफ साजिश रचते हुए दिखाया गया है, को हुमायूँ ने “एआई निर्मित” कहकर खारिज कर दिया।**

■ **तृणमूल छोड़ने के बाद, मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का आह्वान कर हुमायूँ कबीर ने मुसलमानों में पैठ बना ली थी, पर, इस वीडियो से उनकी छवि बिगड़ी है और इससे तृणमूल को फायदा होने की उम्मीद है।**

विक्रम सिंह ने कहा, “हुमायूँ कबीर के खुलासे दिखाते हैं कि बंगाल के मुसलमान कितने संवेदनशील हैं। एआईएमआईएम जैसे किसी भी बयान से जुड़ी नहीं रह सकती, जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठता हो। आज एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन वापस ले लिया है।”

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

इस घटनाक्रम से मुसलमान बहुल जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा और साउथ 24 परगना में टीएमसी की संभावनाएँ मजबूत हो सकती हैं।

कबीर, जो पूर्व में टीएमसी विधायक रह चुके हैं, ने मध्य बंगाल, खासकर मुर्शिदाबाद जिले में लोकप्रियता हासिल कर ली है, खासकर बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद बनाने के अपने आ आ के बाद। कबीर ने पिछले साल दिसम्बर में टीएमसी से निष्कासित होने के बाद अपनी पार्टी बनाई। कबीर अक्सर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते रहे हैं।

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस वर्मा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है, न कि मोर्चे से। भारत के लिए, प्रभाव तत्कालिक है और इसकी कई परतें हैं। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी सुरक्षा, और खाने के माध्यम से व्यापार मार्ग, सभी परतें उजागर हो गई हैं। कूटनीतिक संतुलन, एक साथ अमेरिका, इजरायल और ईरान के साथ संबंध बनाए रखना, में नयी कुशलता की आवश्यकता होगी। यह संकेत भारत के ऊर्जा स्रोतों को विविधोक्त करने और रणनीतिक भंडार को मजबूत करने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

अंत में, वर्तमान समय समाधान के बजाय पुनःसंयोजन के बारे में है। बंदूकें अस्थायी रूप से शांत हो सकती हैं, लेकिन मूल प्रतिस्पर्धा अब भी अनुसुलझी है। आगे जो आने वाला है, वह स्थिरता की वापसी नहीं है, बल्कि अधिक जटिल संतुलन है, जहाँ तनाव प्रबंधित किया जाता है, मिट्टिया नहीं जाती, और अगली वृद्धि घोषित उद्देश्य से नती, बल्कि संचित धर्मण से उत्पन्न हो सकती हैं।

दामाद जैड कुशर (जबरदस्ती) भी शामिल है। ईरान ने पहले कह दिया था कि वह स्टीव बिटकोफ या जैड कुशर के साथ बातचीत नहीं करेगा। दूसरी ओर, वैसे न खुलासा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने वार्ता के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं, साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अमेरिका के साथ खेल नहीं खेला जाए और वार्ता ईमानदारी से हो। इन सब जटिलताओं के बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गलीबाफ ने कुछ बहुत कठिन शर्तें रखी हैं, जिन्हें पूरा किए बिना वार्ता शुरू नहीं हो सकती।

■ **प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल में मछली उत्पादन के भारी अवसर हैं, फिर भी राज्य आत्मनिर्भर नहीं है।**

■ **ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को खुद को अपडेट रखना चाहिए, हम पहले आंध्र से मछली मंगाते थे, पर, अब इसकी जरूरत नहीं पड़ती।**

इस राज्य को इसकी कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से मछली लानी पड़े रही है।

नॉर्थ 24 परगना में एक रैली में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बंगाल पहले आंध्र प्रदेश से मछली आयात करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं

होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को अपडेट रखें।

बनर्जी ने कहा, “मैंने सुना कि आज उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं होता, जबकि बिहार ज्यादा उत्पादन कर रहा है और निर्यात भी कर रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहाँ हम बाजार से मछली खरीदकर खाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में कहा, “पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन, मत्स्य उद्योग और सी फूड उत्पादन के मामले में बहुत बड़े अवसर हैं, यहाँ मछली की

इस राज्य को इसकी कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से मछली लानी पड़े रही है।

नॉर्थ 24 परगना में एक रैली में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बंगाल पहले आंध्र प्रदेश से मछली आयात करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं

होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को अपडेट रखें।

बनर्जी ने कहा, “मैंने सुना कि आज उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं होता, जबकि बिहार ज्यादा उत्पादन कर रहा है और निर्यात भी कर रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहाँ हम बाजार से मछली खरीदकर खाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में कहा, “पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन, मत्स्य उद्योग और सी फूड उत्पादन के मामले में बहुत बड़े अवसर हैं, यहाँ मछली की

सीज़फायर दो पार्टियों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना चाहिए, कब तक टिकेगा। तीसरा, संघर्ष का प्रॉक्सि के माध्यम से फैलाव, विशेषकर लेबनान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में, यह इजरायल के अभियान उत्पादक थिएटर को घटकने का जोखिम उठाता है। इनमें से प्रत्येक आपस में जुड़ा हुआ है, और ये परस्पर जुड़े के अगले चरण को परिभाषित करते हैं।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

हुमायूँ कबीर ने एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेंगे। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

ईरान ने इस्लामाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा। गलीबाफ ने इसे चतुर्धा से उस समय उठाया, जब ईरान के लिए यह सबसे सुविधाजनक था।

दूसरी शर्त के रूप में, ईरान यह जोर भी दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा शामिल हो और लेबनान में युद्धविराम हो, तभी वार्ता शुरू हो सकती है। यह ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लेबनान स्थित हिजबुल्लाह ईरानी स्टेट की एक विस्तारित शाखा है।

हिजबुल्लाह पर इजरायल लगातार हमले कर रहा है और उसे नुकसान पहुँच रहा है। अगर यह लगातार जारी रहा, तो ईरान की अपनी संरक्षित शासन प्रणालियों का समर्थन करने की प्रतीक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। यह ईरान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके कई आभासी शासन विभिन्न रूपों में लड़ाई लड़ रहे हैं।

गलीबाफ, जो संभवतया अब शक्तिशाली आईआरसीसी पर पूरी पकड़ रखने वाले असली सर्वोच्च नेता हो सकते हैं, ने मांग की कि वार्ता शुरू होने से पहले ईरान के सभी रोकें फंड रिलीज किए जाएँ। अमेरिकी और पश्चिमी बैंकों में ईरानी फंड्स का एक बड़ा हिस्सा फ्रीज है, जो अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के आधार पर रोके गए हैं। ये मुख्य रूप से ईरान की तेल से हुई आय हैं।

ईरानी फंड्स को रिलीज करना कभी भी युद्धविराम वार्ता का हिस्सा नहीं

रहा। गलीबाफ ने इसे चतुर्धा से उस समय उठाया, जब ईरान के लिए यह सबसे सुविधाजनक था।

दूसरी शर्त के रूप में, ईरान यह जोर भी दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा शामिल हो और लेबनान में युद्धविराम हो, तभी वार्ता शुरू हो सकती है। यह ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लेबनान स्थित हिजबुल्लाह ईरानी स्टेट की एक विस्तारित शाखा है।